चावल का निर्यात

773. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान बासमती, गैर बासमती तथा सुपर फाइन किस्म के चावलों की कितनी मात्रा निर्यात की गयी तथा किन-किन देशों ने इन चावलों का आयात किया ;

(ख) इस निर्यात के फलस्वरूप कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई ;

(ग) क्या सरकार ने हाल में बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपाय किए हैं ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और 1994-95 के दौरान चावल के निर्यात में कितनी वृद्धि होने की संभावना है ;

(ङ) क्या सरकार की विदेशों में चावल के नए बाजारों, जैसे जापान तथा कोरिया में किस किस्म का चावल चाहिए तथा वहां क्रय प्रणाली क्या है का पता लगाने के लिए बाजार का सर्वेक्षण कराने के लिए कोई अनुरोध मिला है ;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या उपाय किए जाने हैं ; और

(छ) इन देशों में किस प्रकार के चावलों का निर्यात किया जाएगा तथा इसमें कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित हो सकेगी ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : (क) और (ख) बासमती और गैर-बासमती चावल के निर्यात की मात्रा एवं मूल्य का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

मात्रा : मीटरी टन में
मूल्य : करोड़ रुपए में

		1991-92	1992-93	1993-94
बासमती चावल .	मा०	266528	324790	536534*
	मू०	499.18	800.64	1030.95
गैर बासमती चावल .	मा०	411935	255619	263908*
	मू०	258.40	106.95	249.13

* अंतिम

स्रोत : डी० जी० सी० आई एण्ड एस० कलकत्ता

जहां तक निर्यातक देशों का संबंध है' यह सूचना वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित भारतीय विदेश व्यापार के मासिक आंकड़ों में उपलब्ध है । वर्ष 1991-92, 1992-93 तथा 1993-94 के इन प्रकाशनों की प्रतियां संसद के दोनों सदनों में पहले ही रख दी गयीं हैं ।

(ग) और (घ) बासमती का न्यूनतम निर्यात भाव दिनांक 3-1-1994 को समाप्त कर दिया था । बासमती चावल का मुक्त रूप से निर्यात करने की अनुमति है । सरकार ने बासमती चावल समेत कृषि जन्य वस्तुओं के निर्यात के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए अनेक उपाय किए हैं । इस प्रकार के कुछ उपाय

है—100% निर्यातोन्मुखी इकाइयों की स्थापित करने की सुविधा, रियायती शुल्क पर पूंजीगत माल का आयात करने की पात्रता, रियायती दर पर ऋण की उपलब्धता, पोतलदान-पूर्व निरीक्षण क्रिया-विधि का सरलीकरण आदि । निर्यात किए जाने वाली बासमती चावल की किस्मों के प्रमाणित बीजों के प्रयोग पर प्रोत्साहन देने के लिए कृषि मंत्रालय की भी एक स्कीम है ।

वर्ष 1994–95 में बासमती के निर्यात का कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है ।

(ङ) और (च) चावल निर्यातकों ने भारतीय चावल के लिए नए बाजारों का पता लगाने में गहरी दिलचस्पी ली है । अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ (ए साई आर ई ए) ने अप्रैल 1994 में जापान के बाजार में प्रवेश पाने के उद्देश्य से एक शिष्टमण्डल प्रायोजित किया था ।

(छ) इस शिष्टमण्डल का अंदाजा है कि जापान को तत्काल अधिक मात्रा में चावल निर्यात करने के कोई आसार नहीं है, क्योंकि जापान की जापोनिका किस्म के चावल के प्रति अधिक मोह है जिसकी भारत में पर्याप्त मात्रा में कास्त नहीं की जाती ।

Customs daty on Import of Tractors

747. SHRI BHUPINDER SINGH MANN : Wil! the Minister of COMMERCE be phased to state:

(a) what is the cvr.toms du.y imposed on import of tractors and combines from abroad ;

(b) what is the total export of tractors and related machinry to other countries out of the total production ;

(c) what concessions have been made for export thereof; and

(d) whether such concessions will be mads available to the export of agricultural produce as well ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKH ERJEE) : (a) Tbe Customs duty imposed on import of tractors a -i 1 combines is as under :—

(i) Agricultural tractors having engine capacity not exceeding 1800 ce—65% Advl.

(ii) Agricultural tractors having engine canacity 1800 ce or above— 81.5% Advl;

(iii) Combine Harvester thrashgr-25% Advl

(b) Less than 1 % of total pro duction of tractors is exported. The value of exports of tractors and other agricultural machinery and implements during 1993-94 was 1899.04 lakhs and 4301.00 lakhs respectively.

(c) Promotion of exports has been the constant endeavour of the Government. The incentives made available for export of engineering items including tractors and related machinery include facility for duty free import of inputs under advance licensing scheme, facility of import at concessional duty of capita' goods required foi ;xpor! produc tion, duty drawback tax exemption on export profit, making available deferred credit and line of credit, full convertibility of export earnings at market rate ot' exchange.

(d) Yes, the concessions available to the export oi *ti* dors and related machinery are available to the export o' a'-:ricul*ural produce as well.

Trade PoiEt ia Ministry of Commerce

748. DR. NAUNIHAL SlNGH: Will the Mmistt fRCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a 'Trade Point' has been established in the Ministry of Commerce;